Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding alleged irregularities by a postal officer of village Pipragawan and Baghara of Kanpur district in Uttar Pradesh.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर): अध्यक्ष महोदया, आज एक गंभीर विषय पर मैं अपनी बात आपके सम्मुख रखना चाहता हूँ। महोदया, इस देश का आम नागरिक अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को इकट्ठा कर के या तो वह बैंक पर भरोसा करता है या ग्रामीण स्तर पर डाक घरों पर भरोसा करता है। हमारे लोक सभा क्षेत्र के कानपुर नगर के विकास खण्ड विधूनू के पिपरगवाँ और वघारा गांवों के लोगों ने अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई को डाकघर में जमा किया था। वहाँ के डाक-पाल के द्वारा उनके पैसों के साथ बेईमानी की गई, उन पैसों की हेरा-फेरी की गई, उनकी पास बुकों पर चढ़ाया गया, उसमें फर्जी अंकित किया। इसकी जांच हुई और मेरे द्वारा वहां के सीपीएमजी से शिकायत की गई। तमाम बार प्रयास करने के बाद जाँच हुई। मैंने भारत सरकार के माननीय मंत्री जी से भी इस बारे में कहा। जाँच होने के बाद कुछ लोगों का पैसा अभी प्राप्त हुआ है। उस कर्मचारी को जेल जाना पड़ा, लेकिन अब वह जेल से निकल आया है। बहुत सारे लोगों का पैसा आज भी बाकी है। जब मैं अपने क्षेत्र में जाता हूँ तो लगातार इसको ले कर क्षेत्र में अशांति रहती है। चूंकि यह गरीबों की गाढ़ी कमाई का पैसा है, जो डाकखाने में जमा है। आपसे अनुरोध है कि हस्तक्षेप कर उन गरीबों की गाढ़ी कमाई को दिलाने की कृपा करने का कष्ट करें।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री देवेन्द्र सिंह भोले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Shri Gaurav Gogoi, you wish to raise an important matter regarding flood in Assam.

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, he wishes to change the subject matter… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: आप उनके वकील हो तो मुझे वकील पत्र दे दो। आप ऐसा क्यों करते हो? आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: उन्होंने असम की बाढ़ से सम्बन्धित विषय को उठाने के लिए शून्यकाल में दिया है। वे इस विषय पर बोलेंगे।

…(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई (कलियाबोर): महोदया, अगर आपकी अनुमति हो तो मैं बाढ़ का जिक्र बाद में करूँगा। कल गृह मंत्री जी ने जो बयान दिया है, आपकी अनुमति से आज मैं उस विषय पर बोलना चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्ष: गृह मंत्री जी के बयान पर कुछ नहीं बोलेंगे। कल उनका बयान हो गया है और जो कुछ भी हुआ है, वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशन में हुआ है।

…(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई: महोदया, कल हम अपने क्षेत्र में थे।…(व्यवधान) हमें बोलने दीजिए। लोक सभा में असम की आवाज नहीं आएगी।…(व्यवधान) हमें इस विषय पर बोलने दीजिए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: असम की आवाज आएगी। आप बोलिए ।

…(व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई: महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब आप क्यों बोल रहे हैं? मैंने उन्हें बोलने का मौका दिया है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप शांति से बोलिए। इस तरह से गड़बड़ शुरू हो जाती है। आप ऐसा मत कीजिए। आप एक सेकेंड में शांति से बात उठाइए। आप असम से हो, इसलिए मैंने आपको मौका दिया है। अगर आपको फ्लड पर नहीं बोलना है तो…* मुझे क्या करना है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: ऐसा नहीं होता है। आप जल्दी बोलिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अगर ऐसे गड़बड़ करेंगे तो बाढ़ पर बोलने का समय नहीं बचेगा।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं उन्हें समझा रही हूँ। आप मत बोलिए। मैं उसको ठीक से समझा रही हूँ।

श्री गौरव गोगोई: महोदया, बाढ़ पर बोलने का समय हमने पिछले हफ्ते माँगा था और इस हफ्ते भी माँगा है।

माननीय अध्यक्ष: हाँ, आप बोलिए।